Shri Radha Ashtakam

श्रीराधाष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Radha Ashtakam 4

File name : rAdhAShTakam4.itx

Category : devii, nimbArkAchArya, aShTaka, devI, radha

Location : doc_devii

Author : Amaraprasada BhattAcharya

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : January 7, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 7, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीराधाष्टकम्

कृष्णाराध्यां जगतसेव्यां जगद्गुरु जगतप्रसूम् ।
नमामि मातरं राधां कृष्णाराधनतत्पराम् ॥ १॥

कृष्णसुखप्रदात्रीञ्च कृष्णप्राणप्रियां शुभाम् ।
राधां कृष्णमयीं दिव्यां कृष्णहृदि स्थितां भेजे ॥ २॥

गोविन्दानन्दिनीं राधां गोविन्दमोहिनीं पराम् ।
गोविन्द हृद वन्दे सर्वकान्तशिरोमणिम् ॥ ३॥

शरणागतसम्भर्त्रीमार्तत्राणपरायणाम् ।
ज्ञानभक्तिप्रदां देवीं राधां वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ४॥

प्रेमस्वरूपिणीं श्यामां महाभावमयीं पराम् ।
ज्ञानमयीं जगद्धात्रीं भजामि राधिकां सदा ॥ ५॥

व्रजेश्वरीं सखोसेव्यां वृन्दावनविहारिणीम् ।
देवीं वृन्दावनेश्वरीं प्रपद्येऽहं सदानतः ॥ ६॥

सर्वसुरनरैर्गीतां महादेवीं हरिप्रियाम् ।
कृष्णानुरूपसौगुण्यां श्रीराधिकामहं भजे ॥ ७॥

मातर्नमामि राधे !त्वां करुणापूरितान्तराम् ।
प्रेमभक्ति प्रदानेन प्रपन्नं पाहि मां सदा ॥ ८॥

हरिः ॐ तत्सत् हरिः ॐ !

इति श्रीअमरप्रसादभट्टाचार्यविरचितं श्रीराधाष्टकं समाप्तम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

Shri Radha Ashtakam

pdf was typeset on January 7, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*